# YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

# पहलगाम हमले पर डोभाल के अनसुने खुलासे! पीएम मोदी ने पूछा था ये सवाल

## विषय सूची (Table of Contents):


>> पहलगाम आतंकी हमला डीक्लासिफाइड में NSA अजीत डोभाल के अनसुने खुलासे...

>> डॉक्यूमेंट्री डीक्लासिफाइड में सामने आई हकीकत...

>> सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का पहला सवाल यह किसने किया? ...

>> पालम एयरपोर्ट पर आपात बैठक...

>> ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों का खात्मा...

>> सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का पहला सवाल यह किसने किया? ...

>> एयरपोर्ट पर आपातकालीन सुरक्षा ब्रीफिंग...

>> ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों का खात्मा...

>> ऑपरेशन सिंदूर के मुख्य सैन्य उद्देश्य...

>> भारत की सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं पाकिस्तान को कड़ा संदेश...

>> वैश्विक मंच पर भारत का कूटनीतिक रुख...

>> 88 घंटे का भीषण सैन्य संघर्ष और 10 मई का सीजफायर समझौता...

>> संघर्ष और समझौते का पूरा टाइमलाइन...

>> खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे देश की संप्रभुता पर डोभाल की दो टूक...

>> संप्रभुता की रक्षा पर दृढ़ संकल्प...

>> ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी आखिरी आतंकी के खात्मे तक नहीं रुकेगा भारत...

>> आतंकवाद के समूल नाश की कार्ययोजना...

>> निष्कर्ष...

>> महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर...


22 अप्रैल 2025 को हुए दर्दनाक पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने जिस आक्रामकता और दृढ़ता के साथ जवाबी कार्रवाई की, उसने पूरे वैश्विक परिदृश्य को बदल कर रख दिया। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने ऑपरेशन सिंदूर और उस दौरान लिए गए कूटनीतिक व सैन्य फैसलों को लेकर अब तक के सबसे बड़े और अनसुने खुलासे किए हैं।

डॉक्यूमेंट्री सीरीज डीक्लासिफाइड में साझा की गई इन गोपनीय जानकारियों से यह साफ हो गया है कि नए भारत की सुरक्षा नीति अब रक्षात्मक न होकर पूरी तरह से आक्रामक और निर्णायक हो चुकी है। इसlatest updateमें जानिए कि संकट के उन 88 घंटों के दौरान पर्दे के पीछे क्या-क्या रणनीतिक फैसले लिए गए।

## पहलगाम आतंकी हमला: डीक्लासिफाइड में NSA अजीत डोभाल के अनसु

पहलगाम में सुरक्षाबलों और निर्दोष नागरिकों पर हुआ हमला देश की संप्रभुता को खुली चुनौती थी। इस कायरतापूर्ण हमले के तुरंत बाद राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) और सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (CCS) ने तत्काल स्थिति की समीक्षा शुरू कर दी थी।

## डॉक्यूमेंट्री डीक्लासिफाइड में सामने आई हकीकत

डॉक्यूमेंट्री सीरीज डीक्लासिफाइड के विशेष एपिसोड ऑपरेशन सिंदूर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने बताया कि हमले की सूचना मिलते ही भारत की संपूर्ण सुरक्षा संरचना को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया था।

घाटी में सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद-रोधी अभियानों की निरंतर निगरानी की जा रही थी। जैसे कि हाल ही मेंराजौरी में 2 संदिग्धों की हलचल, सेना का बड़ा सर्च ऑपरेशन!देखने को मिला था, ठीक उसी तरह पहलगाम घटना के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

## सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का पहला सवाल: यह

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने अपना विदेशी दौरा बीच में ही समाप्त किया और तत्काल स्वदेश रवाना हो गए।

## पालम एयरपोर्ट पर आपात बैठक

जैसे ही प्रधानमंत्री का विशेष विमान नई दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा, उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों के साथ तुरंत एक संक्षिप्त रणनीतिक समीक्षा बैठक की।

>> पहला सवाल:पीएम मोदी ने विमान से उतरते ही सीधे NSA से पूछा- यह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है?

>> कड़ा निर्देश:उन्होंने बिना किसी देरी के कहा- मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए ताकि आगे का एक्शन प्लान तय हो सके।

>> स्पष्ट संदेश:नेतृत्व का रुख स्पष्ट था कि इस बार प्रतिक्रिया पहले के सभी सैन्य अभियानों से कहीं अधिक सख्त और व्यापक होगी।

## ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति: पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने

प्रधानमंत्री के स्पष्ट निर्देशों htmlपहलगाम आतंकी हमला: डीक्लासिफाइड में NSA अजीत डोभाल के अनसुने

खुलासेराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने एक विशेष डॉक्यूमेंट्री सीरीज डीक्लासिफाइड ऑपरेशन सिंदूरमें भारत की सुरक्षा रणनीति और सैन्य निर्णयों से जुड़े कई बड़े और अनसुने खुलासे किए हैं। 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश के रुख को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है।इस हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई और कूटनीतिक फैसलों की जानकारी साझा करते हुए डोभाल ने बताया कि नए भारत की आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता (Zero Tolerance Policy) की नीति किस तरह ज़मीनी स्तर पर लागू की गई। सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जानकारी और समीक्षा के लिए आपराजौरी में 2 संदिग्धों की हलचल, सेना का बड़ा सर्च ऑपरेशन!रिपोर्ट भी देख सकते हैं।सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का पहला सवाल: यह किसने किया? डॉक्यूमेंट्री में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने उस महत्वपूर्ण घटनाक्रम को याद किया जब 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में कायराना आतंकी हमला हुआ था। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे।जैसे ही हमले की खबर मिली, प्रधानमंत्री ने अपना विदेश दौरा बीच में ही समाप्त किया और तुरंत स्वदेश लौट आए। नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ पहली आपातकालीन बातचीत शुरू हुई।एयरपोर्ट पर आपातकालीन सुरक्षा ब्रीफिंगपहला सीधा सवाल:पीएम मोदी ने विमान से उतरते ही पहला सवाल पूछा यह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए। त्वरित खुफिया विश्लेषण:रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) को साजिश के हर लिंक को ट्रैक करने के सख्त निर्देश दिए गए।स्पष्ट रणनीतिक निर्देश:राष्ट्रीय नेतृत्व ने साफ कर दिया कि इस बार की जवाबी कार्रवाई केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि निर्णायक और अभूतपूर्व होगी। ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति: पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों का खात्माखुफिया इनपुट्स और जिम्मेदार आतंकी संगठनों की पहचान होते ही भारत ने जवाबी सैन्य कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की, जिसे कोडनेम ऑपरेशन सिंदूर दिया गया। इस ऑपरेशन का प्रमुख उद्देश्य दुश्मन के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त करना था।अजीत डोभाल के अनुसार, इस रणनीतिक मिशन की योजना पूरी सटीकता के साथ बनाई गई थी ताकि केवल आतंकी ठिकानों और उनके लॉन्च पैड्स को ही सटीक रूप से निशाना बनाया जा सके।ऑपरेशन सिंदूर के मुख्य सैन्य उद्देश्यआतंकी कैंपों का विनाश:पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में मौजूद आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को सीधे टारगेट करना।पहलगाम साजिशकर्ताओं का खात्मा:विशेष रूप से उन आतंकी मॉड्यूल और कमांडरों को समाप्त करना जो सीधे तौर पर पहलगाम हमले से जुड़े थे।पाकिस्तानी सेना को सख्त संदेश:पड़ोसी देश की सेना को यह स्पष्ट करना कि आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह देना या उनके खिलाफ कार्रवाई न करना भारत के लिए पूरी तरह असहनीय है।सुरक्षा के साथ-साथ देश अन्य मोर्चों पर भी लगातार प्रगति कर रहा है स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता से जुड़ी रिपोर्ट देखने के लिएMAIN NEWS HEADLINE: प्रधानमंत्री ने भारत के बढ़ते आत्मनिर्भर चिकित्सा-पढ़ें। भारत की सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं : पाकिस्तान को कड़ा संदेशडॉक्यूमेंट्री में NSA डोभाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वैश्विक समुदाय को भारत के इस कदम के पीछे के मूल सिद्धांत को समझना चाहिए। भारत की शांतिप्रिय नीति को कभी भी उसकी लाचारी या असमर्थता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।डोभाल ने रेखांकित किया कि आधुनिक भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने और अप्रत्याशित रणनीतिक फैसले लेने से बिल्कुल नहीं हिचकिचाता।वैश्विक मंच पर भारत का कूटनीतिक रुखजोखिम लेने की क्षमता:भारत अपने नागरिकों और संप्रभुता की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा रणनीतिक जोखिम उठाने को तैयार है।परिणामों की परवाह किए बिना प्रहार:यदि सीमा पार से कोई उकसावे की कार्रवाई होती है, तो उसका जवाब उसी की भाषा में और पूर्ण तीव्रता के साथ दिया जाएगा।स्पष्ट लक्ष्मण रेखा:परमाणु हथियारों की धौंस दिखाकर छद्म युद्ध (Proxy War) चलाने की नीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।88 घंटे का भीषण सैन्य संघर्ष और 10 मई का सीजफायर समझौताभारतीय सशस्त्र बलों के सटीक हमलों के बाद सीमा पर तनाव अभूतपूर्व स्तर पर

पहुंच गया। पाकिस्तान की ओर से जवाबी हमलों की कोशिश की गई, जिसके जवाब में भारतीय सेना और वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आक्रामक कार्रवाई जारी रखी।दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य गतिरोध लगभग 88 घंटे तक अत्यधिक तीव्रता के साथ चला, जिसमें भारतीय बलों ने दुश्मन के कई प्रमुख ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया।संघर्ष और समझौते का पूरा टाइमलाइन88 घंटे का नॉन-स्टॉप एक्शन:भारतीय थलसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से सटीक मिसाइल और हवाई हमले किए।दुश्मन की रक्षा पंक्ति ध्वस्त:सीमा पार बने कई लॉन्च पैड्स, रडार स्टेशन्स और आतंकी नियंत्रण कक्ष जमींदोज कर दिए गए।10 मई की शाम सीजफायर:लगातार बढ़ते सैन्य दबाव और कूटनीतिक वार्ताओं के बाद 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम (Ceasefire) समझौता हुआ।खेल और अन्य क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है, जैसा किभारत ने पाकिस्तान को रौंदा!के विश्लेषण में देखा जा सकता है। खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे : देश की संप्रभुता पर डोभाल की दो टूकराष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने राष्ट्र की सुरक्षा, क्षेत्रीय अखंडता और सीमाओं की रक्षा को लेकर भारत के अडिग संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा किसंप्रभुता की रक्षा के लिए भारत किसी भी सीमा तक जाने से पीछे नहीं हटेगा।डोभाल ने जोर देकर कहा कि देश की सुरक्षा प्राथमिकताओं से कोई समझौता नहीं हो सकता और हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का सर्वोच्च दायित्व है।संप्रभुता की रक्षा पर दृढ़ संकल्प एक बार कुछ भी शुरू हो जाए, तो हम किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता को बनाए रखने के लिए जितनी दूर तक जाना आवश्यक हो, जाने को तैयार हैं, और इसकी कोई सीमा नहीं है। हम खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे।  अजीत डोभाल (NSA) ऑपरेशन सिंदूर  अब भी जारी: आखिरी आतंकी के खात्मे तक नहीं रुकेगा भारतसीजफायर के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने स्पष्ट किया किआतंकवाद के खिलाफ भारत का महा-अभियान रुका नहीं है। जब तक सीमा पार या घाटी में सक्रिय आतंकी नेटवर्क की पूरी श्रृंखला नष्ट नहीं हो जाती, तब तक अभियान निरंतर सक्रिय रहेगा।प्रधानमंत्री के विजन को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर  केवल एक सैन्य जवाबी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की स्थायी सुरक्षा नीति का एक अभिन्न अंग बन चुका है।आतंकवाद के समूल नाश की कार्ययोजनाजीरो टॉलरेंस का निरंतर पालन:जब तक आखिरी आतंकवादी को मार नहीं गिराया जाता, सुरक्षा एजेंसियों का सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा।लॉजिस्टिक्स और फंडिंग नेटवर्क पर प्रहार:आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद, ओवरग्राउंड वर्कर्स (OGWs) और हथियार सप्लायर्स पर कड़ा शिकंजा।भविष्य की सुरक्षा रणनीति 2026:तकनीक-आधारित निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और ड्रोन रोधी प्रणालियों से सीमाओं को अभेद्य बनाना।निष्कर्षडॉक्यूमेंट्री  डीक्लासिफाइड  में NSA अजीत डोभाल के बयानों ने यह साफ कर दिया है कि भारत की सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव आ चुका है। पहलगाम हमले के बाद शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहता, बल्कि आतंकवाद के उद्गम स्थल पर जाकर प्रहार करने की पूर्ण क्षमता और इच्छाशक्ति रखता है। 88 घंटे चले इस टकराव और उसके बाद की रणनीतियों ने साबित कर दिया है कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि है। महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तरपहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम मोदी ने पहला सवाल क्या पूछा था?सऊदी अरब का दौरा रद्द कर नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने NSA अजीत डोभाल से पूछा था:  यह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए।  ऑपरेशन सिंदूर  का मुख्य रणनीतिक उद्देश्य क्या था?इस ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य पाकिस्तान और PoK में मौजूद आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करना और पहलगाम हमले के जिम्मेदार साजिशकर्ताओं को पूरी तरह खत्म करना था।भारत और पाकिस्तान के बीच यह सैन्य संघर्ष कितने समय तक चला?दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह भीषण सैन्य टकराव लगभग 88 घंटे तक चला, जिसके बाद 10 मई की शाम को सीजफायर समझौता हुआ।राष्ट्रीय सुरक्षा पर NSA अजीत डोभाल ने क्या कड़ा संदेश दिया?डोभाल ने स्पष्ट किया कि भारत की सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं है। देश की संप्रभुता बनाए रखने के लिए भारत किसी भी हद तक जाने और खून की आखिरी बूंद तक लड़ने के लिए तैयार है।क्या  ऑपरेशन सिंदूर  सीजफायर के बाद समाप्त हो गया है?नहीं, NSA डोभाल के अनुसार

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार यह अभियान तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक आखिरी आतंकवादी का खात्मा नहीं हो जाता। डीक्लासिफाइड सीरीज में किस बात पर सबसे अधिक जोर दिया गया?इस सीरीज में भारत के त्वरित रणनीतिक निर्णय, सटीक सैन्य कार्रवाई, राजनीतिक इच्छाशक्ति और आतंकवाद के खिलाफ सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विवरण पर जोर दिया गया है।

## सऊदी अरब से लौटते ही एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का पहला सवाल: यह

डॉक्यूमेंट्री में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने उस महत्वपूर्ण घटनाक्रम को याद किया जब 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में कायराना आतंकी हमला हुआ था। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे।

जैसे ही हमले की खबर मिली, प्रधानमंत्री ने अपना विदेश दौरा बीच में ही समाप्त किया और तुरंत स्वदेश लौट आए। नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ पहली आपातकालीन बातचीत शुरू हुई।

## एयरपोर्ट पर आपातकालीन सुरक्षा ब्रीफिंग

>> पहला सीधा सवाल:पीएम मोदी ने विमान से उतरते ही पहला सवाल पूछा यह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए।

>> त्वरित खुफिया विश्लेषण:रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) को साजिश के हर लिंक को ट्रैक करने के सख्त निर्देश दिए गए।

>> स्पष्ट रणनीतिक निर्देश:राष्ट्रीय नेतृत्व ने साफ कर दिया कि इस बार की जवाबी कार्रवाई केवल प्रतीकात्मक नहीं बल्कि निर्णायक और अभूतपूर्व होगी।

## ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति: पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने

खुफिया इनपुट्स और जिम्मेदार आतंकी संगठनों की पहचान होते ही भारत ने जवाबी सैन्य कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की, जिसे कोडनेम ऑपरेशन सिंदूर दिया गया। इस ऑपरेशन का प्रमुख उद्देश्य दुश्मन के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त करना था।

अजीत डोभाल के अनुसार, इस रणनीतिक मिशन की योजना पूरी सटीकता के साथ बनाई गई थी ताकि केवल आतंकी ठिकानों और उनके लॉन्च पैड्स को ही सटीक रूप से निशाना बनाया जा सके।

## ऑपरेशन सिंदूर के मुख्य सैन्य उद्देश्य

>> आतंकी कैंपों का विनाश:पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में मौजूद आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को सीधे टारगेट करना।

>> पहलगाम साजिशकर्ताओं का खात्मा:विशेष रूप से उन आतंकी मॉड्यूल और कमांडरों को समाप्त करना जो सीधे तौर पर पहलगाम हमले से जुड़े थे।

>> पाकिस्तानी सेना को सख्त संदेश:पड़ोसी देश की सेना को यह स्पष्ट करना कि आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह देना या उनके खिलाफ कार्रवाई न करना भारत के लिए पूरी तरह असहनीय है।

सुरक्षा के साथ-साथ देश अन्य मोर्चों पर भी लगातार प्रगति कर रहा है स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता से जुड़ी रिपोर्ट देखने के लिएMAIN NEWS HEADLINE: प्रधानमंत्री ने भारत के बढ़ते आत्मनिर्भर चिकित्सा-पढ़ें।

## भारत की सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं : पाकिस्तान को कड़ा संदेश

डॉक्यूमेंट्री में NSA डोभाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वैश्विक समुदाय को भारत के इस कदम के पीछे के मूल सिद्धांत को समझना चाहिए। भारत की शांतिप्रिय नीति को कभी भी उसकी लाचारी या असमर्थता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

डोभाल ने रेखांकित किया कि आधुनिक भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने और अप्रत्याशित रणनीतिक फैसले लेने से बिल्कुल नहीं हिचकिचाता।

## वैश्विक मंच पर भारत का कूटनीतिक रुख

>> जोखिम लेने की क्षमता:भारत अपने नागरिकों और संप्रभुता की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा रणनीतिक जोखिम उठाने को तैयार है।

>> परिणामों की परवाह किए बिना प्रहार:यदि सीमा पार से कोई उकसावे की कार्रवाई होती है, तो उसका जवाब उसी की भाषा में और पूर्ण तीव्रता के साथ दिया जाएगा।

>> स्पष्ट लक्ष्मण रेखा:परमाणु हथियारों की धौंस दिखाकर छद्म युद्ध (Proxy War) चलाने की नीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## 88 घंटे का भीषण सैन्य संघर्ष और 10 मई का सीजफायर समझौता

भारतीय सशस्त्र बलों के सटीक हमलों के बाद सीमा पर तनाव अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया। पाकिस्तान की ओर से जवाबी हमलों की कोशिश की गई, जिसके जवाब में भारतीय सेना और वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आक्रामक कार्रवाई जारी रखी।

दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य गतिरोध लगभग 88 घंटे तक अत्यधिक तीव्रता के साथ चला, जिसमें भारतीय बलों ने दुश्मन के कई प्रमुख ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया।

## संघर्ष और समझौते का पूरा टाइमलाइन

>> 88 घंटे का नॉन-स्टॉप एक्शन:भारतीय थलसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से सटीक मिसाइल और हवाई हमले किए।

>> दुश्मन की रक्षा पंक्ति ध्वस्त:सीमा पार बने कई लॉन्च पैड्स, रडार स्टेशन्स और आतंकी नियंत्रण कक्ष जमींदोज कर दिए गए।

>> 10 मई की शाम सीजफायर:लगातार बढ़ते सैन्य दबाव और कूटनीतिक वार्ताओं के बाद 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम (Ceasefire) समझौता हुआ।

खेल और अन्य क्षेत्रों में भी दोनों देशों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलता है, जैसा किभारत ने पाकिस्तान को रौंदा!के विश्लेषण में देखा जा सकता है।

## खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे : देश की संप्रभुता पर डोभाल की

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने राष्ट्र की सुरक्षा, क्षेत्रीय अखंडता और सीमाओं की रक्षा को लेकर भारत के अडिग संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत किसी भी सीमा तक जाने से पीछे नहीं हटेगा।

डोभाल ने जोर देकर कहा कि देश की सुरक्षा प्राथमिकताओं से कोई समझौता नहीं हो सकता और हर भारतीय नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का सर्वोच्च दायित्व है।

## संप्रभुता की रक्षा पर दृढ़ संकल्प

एक बार कुछ भी शुरू हो जाए, तो हम किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता को बनाए रखने के लिए जितनी दूर तक जाना आवश्यक हो, जाने को तैयार हैं, और इसकी कोई सीमा नहीं है। हम खून की आखिरी बूंद तक लड़ेंगे। अजीत डोभाल (NSA)

## ऑपरेशन सिंदूर  अब भी जारी: आखिरी आतंकी के खात्मे तक नहीं रुक

सीजफायर के बावजूद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का महा-अभियान रुका नहीं है। जब तक सीमा पार या घाटी में सक्रिय आतंकी नेटवर्क की पूरी श्रृंखला नष्ट नहीं हो जाती, तब तक अभियान निरंतर सक्रिय रहेगा।

प्रधानमंत्री के विजन को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य जवाबी कार्रवाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की स्थायी सुरक्षा नीति का एक अभिन्न अंग बन चुका है।

## आतंकवाद के समूल नाश की कार्ययोजना

>> जीरो टॉलरेंस का निरंतर पालन:जब तक आखिरी आतंकवादी को मार नहीं गिराया जाता, सुरक्षा एजेंसियों का सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा।

>> लॉजिस्टिक्स और फंडिंग नेटवर्क पर प्रहार:आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद, ओवरग्राउंड वर्कर्स (OGWs) और हथियार सप्लायर्स पर कड़ा शिकंजा।

>> भविष्य की सुरक्षा रणनीति 2026:तकनीक-आधारित निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और ड्रोन रोधी प्रणालियों से सीमाओं को अभेद्य बनाना।

## निष्कर्ष

डॉक्यूमेंट्री डीक्लासिफाइड में NSA अजीत डोभाल के बयानों ने यह साफ कर दिया है कि भारत की सुरक्षा नीति में बड़ा बदलाव आ चुका है। पहलगाम हमले के बाद शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहता, बल्कि आतंकवाद के उद्गम स्थल पर जाकर प्रहार करने की पूर्ण क्षमता और इच्छाशक्ति रखता है। 88 घंटे चले इस टकराव और उसके बाद की रणनीतियों ने साबित कर दिया है कि देश की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि है।

## महत्वपूर्ण प्रश्न और उत्तर

सऊदी अरब का दौरा रद्द कर नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने NSA अजीत डोभाल से पूछा था: यह किसने किया है? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? मुझे यह जानकारी तुरंत चाहिए।

इस ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य पाकिस्तान और PoK में मौजूद आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करना और पहलगाम हमले के जिम्मेदार साजिशकर्ताओं को पूरी तरह खत्म करना था।

दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह भीषण सैन्य टकराव लगभग 88 घंटे तक चला, जिसके बाद 10 मई की शाम को सीजफायर

समझौता हुआ।

डोभाल ने स्पष्ट किया कि भारत की सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं है। देश की संप्रभुता बनाए रखने के लिए भारत किसी भी हद तक जाने और खून की आखिरी बूंद तक लड़ने के लिए तैयार है।

नहीं, NSA डोभाल के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार यह अभियान तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक आखिरी आतंकवादी का खात्मा नहीं हो जाता।

इस सीरीज में भारत के त्वरित रणनीतिक निर्णय, सटीक सैन्य कार्रवाई, राजनीतिक इच्छाशक्ति और आतंकवाद के खिलाफ सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के विवरण पर जोर दिया गया है।